भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2919
उत्तर देने की तारीख 12.12.2024

स्फूर्ति योजना के अंतर्गत उपलब्धियां

2919. **श्री जी. सेल्वम :**
श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पारंपरिक उद्योग पुनर्निर्माण कोष योजना (स्फूर्ति) के अंतर्गत स्वीकृत, संचालित और पूर्ण किए गए संकुलों की संख्या कितनी है और इस योजना की प्रमुख उपलब्धियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) स्फूर्ति योजना के तहत सृजित रोजगारों की अनुमानित संख्या कितनी है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्फूर्ति योजना के तहत सहायता प्राप्त शिल्पकारों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(घ) क्या आकांक्षी जिलों में स्फूर्ति योजना के तहत विशेष संकुल स्थापित किए जा रहे है और यदि हां, तो उक्त को प्रदान किए गए अतिरिक्त लाभों सहित जिले-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या स्फूर्ति योजना देश भर में पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने में प्रभावी रही है और यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत प्राप्त सफलताओं, उपलब्धियों और सर्वोत्तम प्रथाओं का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या स्फूर्ति योजना के तहत संकुलों को विपणन और ब्रांडिंग सहायता प्रदान की जाती है; और

(छ) घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में स्फूर्ति उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए क्या पहलें की गई हैं?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन हेतु निधि स्कीम (स्फूर्ति) के अंतर्गत कुल 513 क्लस्टरों को अनुमोदित किया गया है, जिनमें से 376 क्लस्टर संचालित किए जा चुके हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

इस स्कीम ने महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें कारीगरों को समूहों (क्लस्टरों) में संगठित करके हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि प्रसंस्करण, वस्त्र, बांस आदि जैसे परंपरागत उद्योगों का पुनर्सृजन, उनकी सततता और प्रतिस्पर्धात्मकता का संवर्धन शामिल है। इस स्कीम से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थानीय रोजगार सृजित हुआ है तथा समावेशी विकास को बढ़ावा मिला है।

(ख): 376 कार्यात्मक क्लस्टरों में लगभग 2,20,800 कारीगरों के लिए सतत रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं।

(ग): विगत तीन वर्षों के दौरान स्फूर्ति स्कीम के अंतर्गत कुल 70,699 कारीगरों को सहायता प्रदान की गई है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ): इस स्कीम में विशेष क्लस्टर स्थापित करने का कोई प्रावधान नहीं है। तथापि, इस स्कीम का लक्ष्य शामिल न किए गए और आकांक्षी जिलों में इसके प्रसार को बढ़ाना है। आज तक, 54 आकांक्षी जिलों में 84 क्लस्टरों को अनुमोदित किया जा चुका है। इन क्लस्टरों का ब्यौरा **अनुबंध-III** में दिया गया है।

(ङ): जी, हां। विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), नीति आयोग, नई दिल्ली की स्फूर्ति पर, अगस्त, 2023 की मूल्यांकन अध्ययन रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि स्फूर्ति ने परंपरागत उद्योग में परिवर्तन के लिए बहुत आवश्यक वातावरण और वित्तीय सहायता प्रदान की है। अधिकांश कार्यात्मक क्लस्टरों ने स्फूर्ति में शामिल होने के बाद बिक्री और मुनाफे में वृद्धि की सूचना दी है, प्रशिक्षण और कौशल में वृद्धि की भी अच्छी रिपोर्ट की गई है।

स्फूर्ति के अंतर्गत अनुमोदित 513 क्लस्टरों में से 376 क्लस्टर सफलतापूर्वक क्रियाशील हो गए हैं और स्कीम से उभरने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपना रहे हैं।

(च) एवं (छ): जी, हां। यह स्कीम अपने सॉफ्ट इंटरवेंशन घटक के अंतर्गत व्यापक विपणन और ब्रांडिंग सहायता प्रदान करती है।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही बाज़ारों में स्फूर्ति उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की गई हैं, जैसे पैकेजिंग सहायता, अनूठी ब्रांड पहचान विकसित करना, परंपरागत और क्लस्टर-आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए अमेज़न कारीगर, ओएनडीसी और जेम जैसे प्लेटफ़ॉर्म के साथ सहयोग में ई-कॉमर्स एकीकरण। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, शिल्प मेलों और क्रेता-विक्रेता बैठकों में भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है ताकि दृश्यता बढ़ाई जा सके और वैश्विक बाज़ारों तक पहुँचने के लिए जीआई टैग और निर्यात लाइसेंस जैसे प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए सहायता निर्यात को बढ़ावा देने की अन्य पहलें हैं।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 12.12.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2919 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्फूर्ति क्लस्टरों का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य	अनुमोदित क्लस्टरों की कुल सं.	क्रियाशील क्लस्टरों की सं.
1	अंडमान और निकोबार	1	0
2	आंध्र प्रदेश	16	14
3	अरुणाचल प्रदेश	3	3
4	असम	35	33
5	बिहार	10	8
6	छत्तीसगढ	5	4
7	गुजरात	14	11
8	हरियाणा	5	4
9	हिमाचल प्रदेश	4	3
10	जम्मू एवं कश्मीर	8	2
11	झारखंड	15	12
12	कर्नाटक	29	20
13	केरल	10	9
14	मध्य प्रदेश	45	36
15	महाराष्ट्र	29	19
16	मणिपुर	26	19
17	मेघालय	6	6
18	मिजोरम	1	1
19	नागालैंड	9	7
20	ओडिशा	70	40
21	पंजाब	2	2
22	राजस्थान	34	23
23	सिक्किम	4	4
24	तमिलनाडु	28	19
25	तेलंगाना	16	13
26	त्रिपुरा	3	2
27	उत्तर प्रदेश	59	43
28	उत्तराखंड	5	4
29	पश्चिम बंगाल	21	15
कुल		513	376

अनुबंध-II

दिनांक 12.12.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2919 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

स्फूर्ति स्कीम के अंतर्गत विगत 3 वर्षों में सहायता-प्राप्त कारीगरों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल कारीगर
	आंध्र प्रदेश	4148
	असम	3535
	बिहार	1554
	छत्तीसगढ	927
	गुजरात	461
	झारखंड	2273
	कर्नाटक	3295
	केरल	538
	मध्य प्रदेश	7011
	महाराष्ट्र	3187
	मणिपुर	2469
	मेघालय	466
	नागालैंड	1137
	ओडिशा	13049
	राजस्थान	3902
	तमिलनाडु	1855
	तेलंगाना	3025
	त्रिपुरा	301
	उत्तर प्रदेश	13155
	उत्तराखंड	800
	पश्चिम बंगाल	3611
	कुल	70699

अनुबंध-III

दिनांक 12.12.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2919 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

आकांक्षी जिलों में अनुमोदित स्फूर्ति क्लस्टरों का ब्यौरा:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्लस्टरों की सं.	स्फूर्ति सहायता (लाख रु. में)	कुल कारीगर
1.	औरंगाबाद	1	330.38	725
2.	बहराईच	2	676.88	1169
3.	बक्सा	1	140.5	550
4.	बारामूला	1	248.37	369
5.	बारां	1	249.27	337
6.	बारपेटा	2	442.82	1216
7.	बड़वानी	1	352.04	1005
8.	बस्तर	1	98.03	600
9.	भद्राद्री-कोठागुडेम	1	313.47	1006
10.	बोकारो	1	238.84	257
11.	चंदेल	1	222.07	500
12.	चित्रकूट	2	643.38	1252
13.	दंतेवाड़ा	1	195.94	650
14.	दरांग	1	121.4	350
15.	ढेंकनाल	6	2182.32	3558
16.	धुबरी	1	108.17	432
17.	पूर्वी सिंहभूम	1	249.37	405
18.	फ़तेहपुर	1	284.4	750
19.	गजपति	2	774.3	1539
20.	गया	1	364.65	799
21.	गोलपाड़ा	3	374.81	1500
22.	गोड्डा	1	217.5	204
23.	गुमला	2	403.56	1309
24.	हरिद्वार	2	666	1300
25.	हजारीबाग	2	663.48	1098
26.	जैसलमेर	1	243.6	726
27.	कालाहांडी	2	421.65	1047
28.	कंधमाल	2	543.06	1106
29.	करौली	1	351.51	825
30.	खंडवा	2	460.73	852
31.	किफायर	1	247.34	500
32.	कोरापुट	2	847.55	1916
33.	कोरबा	1	344.88	903
34.	लोहरदगा	1	146.45	251
35.	मामित	1	90.7	304
36.	मुजफ्फरपुर	2	837.875	1330
37.	नामसाई	1	396.7	575

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्लस्टरों की सं.	स्फूर्ति सहायता (लाख रु. में)	कुल कारीगर
38.	नर्मदा	1	213.14	415
39.	नुआपाड़ा	2	718.49	1592
40.	पूर्णिया	1	448.41	1000
41.	रामगढ़	2	638.64	1320
42.	रांची	2	873.76	1599
43.	रायगढ़	1	475.86	976
44.	री-भोई	1	154.49	216
45.	श्रावस्ती	1	416.4	646
46.	सिद्धार्थनगर	1	299	821
47.	सोनभद्र	2	866.4	1350
48.	उदालगुरी	1	133.08	300
49.	विदिशा	2	395.82	751
50.	विशाखापत्तनम	2	457.4	1212
51.	विजयनगरम	3	912.56	3609
52.	वाशिम	1	145.1	951
53.	पश्चिम सिक्किम	2	431.6	470
54.	पश्चिम सिंहभूम	1	379.52	1048
55.	यादगीर	1	219.2	390
56.	वाईएसआर कडपा	1	360.99	823
	कुल	84	24033.855	52704